नामांक Roll No.

No. of Questions — 13

P—01—Hindi

No. of Printed Pages — 11

प्रवेशिका परीक्षा, 2014

PRAVESHIKA EXAMINATION, 2014

हिन्दी

समय : $3\frac{1}{4}$ घण्टे

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

(1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें ।

(2) सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं ।

(3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें ।

(4) जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें ।

खण्ड - क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

जीना भी एक कला है । लेकिन कला ही नहीं, तपस्या है । जियो तो प्राण ढाल दो जिंदगी में, ढाल दो जीवन-रस के उपकरणों में । ठीक है ! लेकिन क्यों ? क्या जीने के लिए जीना ही बड़ी बात है ? सारा संसार अपने मतलब के लिए ही तो जी रहा है । याज्ञवल्क्य बहुत बड़े ब्रह्मवादी ऋषि थे । उन्होंने अपनी पत्नी को विचित्र भाव से समझाने की कोशिश की कि सब कुछ स्वार्थ के लिए है । पुत्र के लिए पुत्र प्रिय नहीं होता, पत्नी के लिए पत्नी प्रिया नहीं होती — सब अपने मतलब के लिए प्रिय होते हैं — आत्मनस्तु कामाय सर्वप्रिय भवति । विचित्र नहीं है यह तर्क ? संसार में जहाँ कहीं प्रेम है सब मतलब के लिए । सुना है, पश्चिम के हॉब्स और हेल्वेशियस जैसे विचारकों ने भी ऐसी ही बात कही है । सुन के हैरानी होती है । दुनिया में त्याग नहीं है, प्रेम नहीं है, परार्थ नहीं है, परमार्थ नहीं है — केवल प्रचण्ड स्वार्थ । भीतर की जिजीविषा - जीते रहने की प्रचण्ड इच्छा ही अगर बड़ी बात हो, तो फिर यह सारी बड़ी-बड़ी बोलियाँ, जिनके बल पर दल बनाये जाते हैं, शत्रु-मर्दन का अभिनय किया जाता है, देशोद्धार का नारा लगाया जाता है, साहित्य और कला की महिमा गाई जाती है, झूठ है । इसके द्वारा कोई न कोई अपना बड़ा स्वार्थ सिद्ध करता है । लेकिन अन्तरतर से कोई कह रहा है, ऐसा सोचना गलत ढंग से सोचना है । स्वार्थ से भी बड़ी कोई-न-कोई बात अवश्य है, जिजीविषा से भी प्रचण्ड कोई-न-कोई शक्ति अवश्य है । क्या है ?

(क) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए । 2

(ख) याज्ञवल्क्य ने अपनी पत्नी को क्या समझाने की कोशिश की ? 2

(ग) लेखक को किस बात पर हैरानी होती है ? 2

(घ) उपर्युक्त गद्यांश में किस तरह से जीने की बात कही गई है ? 2

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

यह सच है तो अब लौट चलो तुम घर को ।
चौंके सब सुनकर अटल कैकेयी-स्वर को ।
सब ने रानी की ओर अचानक देखा,
वैधव्य-तुषारावृता यथा विधु-लेखा ।
बैठी थी अचल तथापि असंख्य तरंगा,
वह सिंही अब थी हहा । गौमुखी गंगा -
हाँ जनकर भी मैंने न भरत को जाना,
सब सुन लें तुमने स्वयं अभी यह माना ।
यह सच है तो फिर लौट चलो घर भैया,
अपराधिन मैं हूँ तात, तुम्हारी मैया ।
दुर्बलता का ही चिह्न विशेष शपथ है,
पर अबला जन के लिए कौन-सा पथ है ?

(क) उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए । 2

(ख) सभा में सभी किसका स्वर सुनकर चौंक गए ? 1

(ग) सभा में रानी कैसी दिखाई दे रही थी ? 2

(घ) रानी ने राम से क्या कहा ? 2

अथवा

विषम शृंखलाएँ टूटी हैं
खुली समस्त दिशाएँ
आज प्रभंजन बनकर चलती
युग-बंदिनी हवाएँ
प्रश्न-चिह्न बन खड़ी हो गईं
यह सिमटी सीमाएँ
आज पुराने सिंहासन की
टूट रही प्रतिमाएँ
उठता है तूफान, इंदु तुम
दीप्तिमान रहना
पहरुए, सावधान रहना

ऊँची हुई मशाल हमारी
आगे कठिन डगर है
शत्रु हट गया, लेकिन उसकी
छायाओं का डर है
शोषण से मृत है समाज
कमजोर हमारा घर है
किन्तु आ रही नई जिन्दगी
यह विश्वास अमर है

जनगंगा में ज्वार
लहर तुम प्रवहमान रहना
पहरुए, सावधान रहना ।

(क) उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए । 2

(ख) कवि 'पहरुए' से क्या कह रहा है ? 1

(ग) कवि ने समाज को कैसा बताया है ? 2

(घ) कविता के अन्त में क्या विश्वास व्यक्त हुआ है ? 2

खण्ड - ख

3. दिए गए बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग **300** शब्दों में निबन्ध लिखिए : 10

(क) चुनाव का एक दृश्य

(i) चुनाव का आशय

(ii) लोकतंत्र में चुनाव का महत्व

(iii) चुनाव के दिनों में दिखाई देने वाले दृश्य

(iv) प्रमुख राजनीतिक दल एवं मतदान दिवस

(v) उपसंहार ।

(ख) नारी सशक्तिकरण

(i) नारी सशक्तिकरण से आशय

(ii) वर्तमान समाज में नारी की स्थिति

(iii) नारी सशक्तिकरण हेतु किये जा रहे प्रयास

(iv) देश की प्रमुख सशक्त नारियों का परिचय

(v) उपसंहार ।

(ग) भ्रष्टाचार की समस्या

(i) भ्रष्टाचार से आशय

(ii) विभिन्न क्षेत्रों में भ्रष्टाचार की स्थिति

(iii) भ्रष्टाचार का समाज पर प्रभाव

(iv) भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिए सुझाव

(v) उपसंहार ।

(घ) विद्यार्थी और अनुशासन

(i) अनुशासन का अर्थ

(ii) विद्यार्थी जीवन में अनुशासन की आवश्यकता

(iii) विद्यालयों एवं कॉलेजों में अनुशासन की स्थिति

(iv) विद्यार्थी के जीवन निर्माण में अनुशासन का प्रभाव

(v) उपसंहार ।

4. स्वयं को अलसीगढ़ निवासी ऋषि मानकर मित्र मनन को एक पत्र लिखिए जिसमें हाल ही सम्पन्न हुई क्रिकेट प्रतियोगिता में आपकी टीम द्वारा ट्रॉफी जीतने का उल्लेख किया गया हो । 5

अथवा

स्वयं को रा० उ० मा० वि०, आसपुर का छात्र मानकर प्रधानाचार्य को विद्यालय में खेल सुविधाएँ बढ़ाने का निवेदन किया गया हो ऐसा पत्र लिखिए । 5

5. (क) ''राजेश पुस्तक पढ़ रहा है ।'' वाक्य में कौन-सी क्रिया है ? उसकी परिभाषा लिखिए । 2

(ख) <u>रुचिका</u> कहती है कि वह विद्यालय <u>जाएगी</u> ।

रेखांकित पदों के पद परिचय के दो-दो बिन्दु लिखिए । 2

(ग) वाक्य कितने प्रकार के होते हैं ? उदाहरण देकर समझाइये । 2

(घ) (i) 'हवा से बातें करना' मुहावरे का अर्थ बताते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए । 1

(ii) 'नौ दिन चले अढ़ाई कोस' लोकोक्ति का अर्थ स्पष्ट कीजिए । 1

(iii) अलंकार किसे कहते हैं ? ये कितने प्रकार के होते हैं ? 2

खण्ड - ग

6. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

छाया मत छूना
मन, होगा दुख दूना ।
दुविधा-हत साहस है, दिखता है पंथ नहीं
देह सुखी हो पर मन के दुख का अंत नहीं ।
दुख है न चाँद खिला शरद-रात आने पर,
क्या हुआ जो खिला फूल रस-बसंत जाने पर ?
जो न मिला भूल उसे कर तू भविष्य वरण,
छाया मत छूना
मन, होगा दुख दूना ।

(क) उपर्युक्त पद्यांश में किसे सम्बोधित किया गया है, और क्या ? 2

(ख) 'क्या हुआ जो खिला फूल रस-बसंत जाने पर' पंक्ति का आशय स्पष्ट करें । 2

अथवा

बिहसि लखनु बोले मृदु बानी । अहो मुनीसु महाभट मानी ॥
पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारु । चहत उड़ावन फूँकि पहारु ॥
इहाँ कुम्हड़बतियाँ कोउ नाहिं । जे तरजनी देखि मरि जाहीं ॥
देखि कुठारु सरासन बाना । मैं कछु कहा सहित अभिमाना ॥
भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी । जो कुछु कहहु सहौं रिस रोकी ॥

(क) पद्यांश में वर्णित वार्तालाप क्या है और किनके बीच चल रहा था ?
(उत्तर सीमा 40 शब्द) 2

(ख) ''इहाँ कुम्हड़बतियाँ कोउ नाहिं, जे तरजनी देखि मरि जाहीं'' पंक्ति का भावार्थ लिखिए । (उत्तर सीमा 40 शब्द) 2

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर लिखिए : (उत्तर सीमा 40 शब्द)

(क) गोपियों के अनुसार राजा का धर्म क्या होना चाहिए ? 2

(ख) चाँदनी रात की सुंदरता को कवि ने किन-किन रूपों में देखा है ? कवि देव की कविता के आधार पर उत्तर दीजिए । 2

(ग) बच्चे की दंतुरित मुस्कान का कवि के मन पर क्या प्रभाव पड़ता है ? 2

(घ) उज्ज्वल गाथा कैसे गाऊँ, मधुर चाँदनी रातों की — कथन के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है ? 2

8. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

तार सप्तक में जब बैठने लगता है उसका गला
प्रेरणा साथ छोड़ती हुई उत्साह अस्त होता हुआ
आवाज़ में राख जैसा कुछ गिरता हुआ
तभी मुख्य गायक को ढाँढ़स बंधाता हुआ
कहीं से चला आता है संगतकार का स्वर ।

(क) पद्यांश में प्रयुक्त भाषा कौन-सी है ? 1

(ख) गायक का गला कब बैठने लगता है ? 1

(ग) तार सप्तक का अर्थ बताइये । 1

(घ) 'आवाज में राख जैसा कुछ गिरता हुआ' पंक्ति में कौन-सा अलंकार है ? 1

(ङ) उत्साह एक तत्सम शब्द है । इसका तद्भव रूप बताइये । 1

अथवा

मधुप गुनगुना कर कह जाता कौन कहानी यह अपनी,

मुरझाकर गिर रही पत्तियाँ देखो कितनी आज घनी ।

इस गंभीर अनंत नीलिमा में असंख्य जीवन इतिहास,

यह लो करते ही रहते हैं अपना व्यंग्य मलिन उपहास ।

(क) पद्यांश में प्रयुक्त भाषा कौन-सी है ? 1

(ख) मधुप क्या कह रहा है और कैसे ? 1

(ग) उपर्युक्त पद्यांश किस शैली में लिखा गया है ? 1

(घ) पद्यांश की प्रथम पंक्ति में कौन-सा अलंकार प्रयुक्त हुआ है ? 1

(ङ) कवि के अनुसार व्यंग्य मलिन उपहास करने वाले कौन हैं ? 1

9. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

मान लीजिए कि पुराने ज़माने में भारत की एक भी स्त्री पढ़ी-लिखी न थी । न सही । उस समय स्त्रियों को पढ़ाने की जरूरत न समझी गई होगी । पर अब तो है । अतएव पढ़ाना चाहिए । हमने सैकड़ों पुराने नियमों, आदेशों और प्रणालियों को तोड़ दिया है या नहीं ? तो, चलिए स्त्रियों को अपढ़ रखने की इस पुरानी चाल को भी तोड़ दें । हमारी प्रार्थना तो यह है कि स्त्री-शिक्षा के विपक्षियों को क्षणभर के लिए भी इस कल्पना को अपने मन में स्थान न देना चाहिए कि पुराने ज़माने में यहाँ की सारी स्त्रियाँ अपढ़ थीं तथा उन्हें पढ़ने की आज्ञा न थी । जो लोग पुराणों में पढ़ी लिखी स्त्रियों के हवाले माँगते हैं उन्हें श्रीमद्भागवत दशम स्कंध के उत्तरार्ध का त्रेपनवां अध्याय पढ़ना चाहिए । उसमें रुक्मिणी हरण की कथा है ।

(क) 'स्त्रियों को अपढ़ रखने की इस पुरानी चाल को भी तोड़ दें' कथन का क्या अभिप्राय है ? (उत्तर सीमा 40 शब्द) 2

(ख) गद्यांश के अनुसार पुराने जमाने में स्त्री शिक्षा की क्या स्थिति थी ?
(उत्तर सीमा 40 शब्द) 2

अथवा

एक संस्कृत व्यक्ति किसी नयी चीज की खोज करता है; किन्तु उसकी संतान को वह अपने पूर्वज से अनायास ही प्राप्त हो जाती है । जिस व्यक्ति की बुद्धि ने अथवा उसके विवेक ने किसी भी नए तथ्य का दर्शन किया वह व्यक्ति ही वास्तव में संस्कृत व्यक्ति है और उसकी संतान जिसे अपने पूर्वज से वह वस्तु अनायास ही प्राप्त हो गई है वह अपने पूर्वज की भाँति सभ्य भले ही बन जाए, संस्कृत नहीं कहला सकता । एक आधुनिक उदाहरण लें । 'न्यूटन' ने गुरुत्वाकर्षण के सिद्धान्त का आविष्कार किया । वह संस्कृत मानव था । आज के युग का भौतिक विज्ञान का विद्यार्थी न्यूटन के गुरुत्वाकर्षण से तो परिचित है ही; लेकिन उसके साथ उसे और भी अनेक बातों का ज्ञान प्राप्त है जिनसे शायद न्यूटन अपरिचित ही रहा । ऐसा होने पर भी हम आज के भौतिक विज्ञान के विद्यार्थी को न्यूटन की अपेक्षा अधिक सभ्य भले ही कह सकें; पर न्यूटन जितना संस्कृत नहीं कह सकते ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार सभ्य और संस्कृत में क्या अन्तर है ? (उत्तर सीमा 40 शब्द) 2

(ख) न्यूटन के सिद्धान्त का परिचय दीजिए । (उत्तर सीमा 40 शब्द) 2

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर लिखिए : (प्रत्येक प्रश्न की उत्तर सीमा 40 शब्द)

(क) मुहर्रम से बिस्मिल्ला खां के जुड़ाव को बताइये । 2

(ख) प्राचीन और नवीन शिक्षा प्रणाली के अन्तर को समझाइये । 2

(ग) 'एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर बताइये कि लेखिका के अपने पिता से क्या वैचारिक मतभेद थे । 2

(घ) ''फ़ादर बुल्के की छवि अलग है'' कथन पर अपने विचार व्यक्त कीजिए । 2

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) 'लखनवी अंदाज' पाठ के आधार पर नवाब साहब के व्यक्तित्व का परिचय दीजिए ।

(उत्तर सीमा 40 शब्द) 2

(ख) भगत के जीवन की घटना के आधार पर मोह तथा प्रेम के अन्तर को समझाइये ।

(उत्तर सीमा 60 शब्द) 3

खण्ड - घ

12. "और देखते ही देखते दिल्ली का काया पलट होने लगा" — नई दिल्ली के काया पलट के लिए क्या-क्या प्रयत्न किए गए होंगे ?

(उत्तर सीमा 80 शब्द) 4

अथवा

भारत के स्वाधीनता आंदोलन में दुलारी और टुन्नू के त्याग को बताएँ ।

(उत्तर सीमा 80 शब्द) 4

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर लिखिए : (प्रत्येक की उत्तर सीमा 40 शब्द)

(क) गंतोक के प्राकृतिक सौंदर्य के कौन-से दृश्य लेखिका को झकझोर गए ? 2

(ख) नाक मान-सम्मान व प्रतिष्ठा का द्योतक है । पाठ के आधार पर समझाइये । 2

(ग) भोलानाथ और उसके साथियों के खेल व खेल सामग्री किस प्रकार भिन्न थे ? समझाइये । 2

(घ) लेखक ने हिरोशिमा की कविता किस मानसिक स्थिति में लिखी ? 2